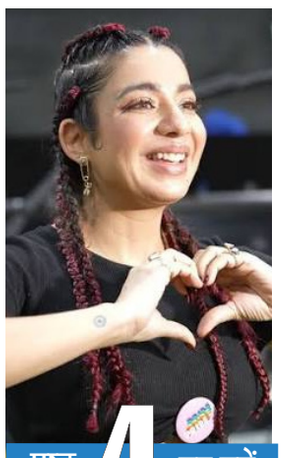

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

जैस्मीन ने परफॉर्मेंस रोक सगाई का ऐलान किया

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 115 ■ सोमवार 13 जुलाई 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

बदलापुर, आसनगांव चौथी रेलवे लाइन जल्द

उल्हासनगर. सेंट्रल रेलवे पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को कम करने के लिए कल्याण-बदलापुर और कल्याण-आसनगांव चौथी लाइन पर काम चल रहा है और सांसदों की डिविजनल मीटिंग में इन लाइनों को तुरंत पूरा करने पर चर्चा हुई है. इससे काम में तेजी आई है और संकेत हैं कि इस लाइन का काम जल्द ही पूरा हो जाएगा। अगर यह लाइन चालू हो जाती है, तो इससे ज़्यादा लोकल सेवा शुरू हो पाएंगी, जिससे यात्रियों को राहत मिलेगी।

रेलवे के मुद्दों को लेकर मुंबई डिविजन के सांसदों की डिविजनल कमेटी की एक अहम मीटिंग गत दिनों चिंतन हॉल में हुई। मीटिंग में सांसद श्रीरंग अप्पा बारणे, सांसद सुरेश म्हात्रे, सांसद राजाभाऊ वाजे, सांसद उज्ज्वल निकम, सेंट्रल रेलवे के जनरल मैनेजर राजीव श्रीवास्तव, डिविजनल रेलवे मैनेजर हिरिश मीणा, चीफ सेफ्टी कमिश्नर विवेक सागर, प्रिंसिपल चीफ इंजीनियर रजनीश माथुर,

चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर भुवनेश कुमार यादव, चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर अक्षय सक्सेना और सेंट्रल रेलवे सेक्रेटरी पी. के. चतुर्वेदी मौजूद थे। इस मीटिंग में ठाणे लोकसभा MP नरेश म्हस्के ने रेल यात्रियों की समस्याओं और सुविधाओं पर रेलवे अधिकारियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने उन्हें यात्रियों को तुरंत बेसिक और इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं देने के निर्देश भी दिए।

ठाणे रेलवे स्टेशन के रीडेवलपमेंट में तेज़ी लाना, ठाणे-पनवेल लोकल सर्विस बढ़ाना, दुरंतो एक्सप्रेस को ठाणे-पनवेल हॉल्ट देना, दीघा में मोगली डैम को नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को ट्रांसफर करना, MP नरेश म्हस्के ने मीटिंग में कई मांगें रखीं। उन्होंने सेंट्रल रेलवे पर बढ़ते पैसेंजर कंजेशन को कम करने के लिए इन लाइनों को तुरंत पूरा करने का मुद्दा भी उठाया। सीनियर रेलवे अधिकारियों ने इन सभी मांगों पर पॉजिटिव जवाब दिया और उन्हें जल्द से जल्द शुरू करने का भरोसा दिया। इससे पता चलता है कि कल्याण-बदलापुर, कल्याण-आसनगांव चौथी लाइन पर काम जल्द ही शुरू होगा और अगर यह लाइन चालू हो जाती है, तो और भी लोकल सर्विस शुरू हो पाएंगी, जिससे यात्रियों को राहत मिलेगी।

अमृत भारत स्टेशन के तहत ठाणे रेलवे स्टेशन को रीडेवलप किया जाना है। इस स्कीम पर भी ज़ोर दिया जा रहा है। क्योंकि यह प्रपोज़ल रेलवे बोर्ड के पास पेंडिंग है, इसलिए MP नरेश म्हस्के ने मीटिंग में अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। ठाणे रेलवे स्टेशन से सफ़र करने वाले पैसेंजर की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है, इसलिए म्हस्के ने सुझाव दिया कि इस बड़े प्रोजेक्ट को जल्द ही शुरू किया जाए। सेंट्रल रेलवे के जनरल मैनेजर राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने रीडेवलपमेंट प्रपोज़ल को मान लिया है। क्योंकि आज ठाणे रेलवे स्टेशनों से सात से आठ लाख पैसेंजर सफ़र करते हैं, इसलिए बेसिक सुविधाओं पर खास ध्यान देने की ज़रूरत है। म्हस्के ने अधिकारियों से टॉयलेट, पीने के पानी और साफ़-सफ़ाई के बारे में भी पूछा। ठाणे रेलवे स्टेशन पर FOB और एस्केलेटर का काम धीरे-धीरे चल रहा है। 2 नए एस्केलेटर और 1 लिफ्ट का काम प्रपोज़्ड है, उन्होंने मांग की कि इन कामों में तेज़ी लाई जाए।

अलग-अलग मांगें

- रेल यात्रियों की सुविधा और स्टेशन पर भीड़ कम करने के लिए ठाणे रेलवे स्टेशन से कल्याण, अंबरनाथ, बदलापुर, कर्जत, आसनगांव, टिटवाला रूट पर और लोकल ट्रेनें शुरू की जानी चाहिए।
- ट्रांसहारबर रूट पर ठाणे-पनवेल-ठाणे रूट पर और लोकल ट्रेनें शुरू की जानी चाहिए और आधी रात तक चलनी चाहिए। दुरंतो एक्सप्रेस को पनवेल, ठाणे में स्टॉप दिया जाना चाहिए। सीवुड और उरण रूट पर ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए।
- गणेशोत्सव के दौरान कोंकण जाने वाली ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। दीघा में मोगली डैम को नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को सौंप दिया जाना चाहिए।
- कलवा-ऐरोली एलिवेटेड रूट का काम तेज़ किया जाना चाहिए। सीनियर सिटिज़न्स के लिए रेलवे टिकट में कंसेशन फिर से शुरू किया जाना चाहिए।
- ऐसी कई मांगें MP नरेश म्हस्के ने कीं। रेलवे अधिकारियों ने मीटिंग में इन सभी मांगों पर ध्यान दिया और उन्हें तुरंत हल करने का भरोसा दिया। ठाणे लोकसभा सीट से 30 से 35 हज़ार भक्त वेलंकनी यात्रा के लिए जाते हैं। म्हस्के ने कहा कि ठाणे डिवीज़न से भक्तों के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की कोशिश सफल रही है.

सतनाम सिंह लबाना मर्डर केस

मुख्य आरोपी को पुलिस ने इलाके में घुमाया

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कैंप नंबर 4 के कुर्ला कैंप चौक इलाके में सतनाम सिंह लबाना की बेरहमी से हुई हत्या के मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की और मुख्य आरोपी गुरप्रीत सिंह उर्फ अनीस करतार सिंह लबाना (उम्र 19) को घटना के कुछ ही घंटों में हिललाइन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद विट्ठलवाड़ी पुलिस ने इलाके में कानून का डर पैदा करने और आपराधिक प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए आरोपी को कड़ी पुलिस सुरक्षा में पैदल ही ले गई।

मिली जानकारी के अनुसार, सतनाम सिंह लबाना पर पुरानी दुश्मनी के कारण हमला किया गया था। इस हमले में उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही विट्ठलवाड़ी पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और आरोपी की तलाश शुरू कर दी। इस बीच, हिललाइन पुलिस ने अनीस लबाना की तलाश की और उसे तुरंत गिरफ्तार कर विट्ठलवाड़ी पुलिस को सौंप दिया। आरोपी गुरप्रीत सिंह उर्फ अनीस करतार सिंह लबाना की गिरफ्तारी के बाद, विट्ठलवाड़ी पुलिस ने सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर चंद्रहार गोडसे की लीडरशिप में कैंप नंबर 4, सुभाष टेकड़ी, कंसाई रोड, कुर्ला कैंप चौक और इलाके के दूसरे ज़रूरी इलाकों में आरोपियों की पैदल तलाशी ली। इस रास्ते में वह जगह भी शामिल थी जहाँ हत्या हुई थी और वे इलाके भी जहाँ आरोपियों की कथित आपराधिक गतिविधियों ने नागरिकों में डर का माहौल बना दिया था। यह कार्रवाई भारी पुलिस सुरक्षा में की गई।

पुलिस ने दिखाया कानून का डर

पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई का मकसद अपराधियों में कानून का डर पैदा करना, समाज विरोधी प्रवृत्ति वालों को कड़ा संदेश देना और आम नागरिकों का पुलिस और कानून पर भरोसा मजबूत करना है। इस बीच, स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की तुरंत और सख्त कार्रवाई का स्वागत किया। नागरिकों ने कहा कि इस कार्रवाई से इलाके में डर का माहौल कम करने में मदद मिलेगी और अपराधियों के खिलाफ पुलिस का सख्त रवैया साफ हो गया है। विट्ठलवाड़ी पुलिस सतनाम सिंह लबाना मर्डर केस में आगे की जांच कर रही है।

रसीद घोटाले पर मनपा आयुक्त का एक्शन

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में कथित फाइनेंशियल गड़बड़ियों के खिलाफ मनपा आयुक्त ने आखिरकार सख्त एक्शन लिया है। शुरुआती जांच में फेरीवालों और ठेले वालों से जुर्माना वसूलते समय रसीदों में कथित हेरफेर करके सरकारी रेवेन्यू के गबन के गंभीर आरोपों की पुष्टि होने के बाद, संबंधित क्लर्क को तुरंत सस्पेंड कर दिया गया है। डिपार्टमेंटल सुपरविज़न में ढिलाई बरतने के लिए असिस्टेंट कमिश्नर को भी सख्त चेतावनी दी गई है, जिससे म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन में हड़कंप मच गया है।

क्लर्क आदेश उबाले सस्पेंड

म्युनिसिपल कमिश्नर मनीषा अव्हाले ने वार्ड कमेटी नंबर 1 में फेरीवालों और ठेले वालों से जुर्माना वसूलते समय रसीदों में कथित हेरफेर करके फाइनेंशियल गड़बड़ियों के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। वार्ड कमेटी-1 में काम कर रहे और अभी इलेक्शन डिपार्टमेंट में पोस्टेड क्लर्क आदेश उबाले को तुरंत सस्पेंड कर दिया गया है, और वार्ड कमेटी-1 के असिस्टेंट कमिश्नर अजय साबले को भविष्य में जिम्मेदारी और ज़्यादा सतर्कता से काम करने की सख्त चेतावनी दी गई है।

मनपा की शुरुआती जांच में, 4 अगस्त से 22 सितंबर, 2025 तक फेरीवालों और ठेला चलाने वालों से जुर्माना वसूलते समय असली रसीद और सरकारी कॉपी में रकम में अंतर पाया गया। आरोप है कि ज़्यादा रकम वसूली गई और सरकारी खाते में कम रकम जमा की गई, और करीब 19,500 रुपये के गबन का शक है।

जांच में बताया गया है कि आदेश उबाले ने क्लर्क होने के बावजूद खुद जुर्माना वसूला, और उसने संबंधित रसीदों पर साइन भी किए। क्योंकि कारण बताओ नोटिस में दी गई सफाई संतोषजनक नहीं थी, इसलिए उसके खिलाफ महाराष्ट्र सिविल सर्विस (डिसिप्लिन एंड अपील) रूल्स, 1979 के तहत सस्पेंशन की कार्रवाई की गई।

महापौर-आयुक्त ने नए कामगार हॉस्पिटल का किया इंस्पेक्शन

■ जल्द ही लोगों की सेवा में लगाया जाएगा

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा की महापौर और मनपा आयुक्त ने नए बने कामगार हॉस्पिटल का गुडविल विजिट किया और पूरे हॉस्पिटल का इंस्पेक्शन किया। इस दौरान हॉस्पिटल के अलग-अलग डिपार्टमेंट, मौजूद मेडिकल सुविधाओं और मैनपावर का रिव्यू किया गया।

इंस्पेक्शन के दौरान, गणमान्य लोगों ने जनरल वार्ड, डिलीवरी वार्ड, सर्जरी डिपार्टमेंट (ऑपरेशन थिएटर), एक्सीडेंट और इमरजेंसी डिपार्टमेंट, किचन और दूसरे ज़रूरी डिपार्टमेंट का दौरा किया और असल हालात की जानकारी ली।

मरीज़ों को दी जाने वाली हेल्थकेयर, मौजूद सुविधाओं और हॉस्पिटल के कामकाज के बारे में संबंधित अधिकारियों से बातचीत की गई। साथ ही, हॉस्पिटल में काफ़ी डॉक्टर, नर्स और दूसरे ज़रूरी स्टाफ़ हैं या नहीं, इसकी भी जानकारी ली गई। हॉस्पिटल परिसर में सफ़ाई, सिक्योरिटी सिस्टम और दूसरी बेसिक सुविधाओं का इंस्पेक्शन करने के बाद ज़रूरी निर्देश दिए गए। इस विजिट के दौरान मेडिकल हेल्थ ऑफिसर, ESIS हॉस्पिटल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट, सिविल सर्वेंट, नर्स और दूसरे स्टाफ़ मौजूद थे।

संबंधित अधिकारियों ने मेयर और कमिश्नर को हॉस्पिटल में मौजूद सेवाओं, मॉडर्न सुविधाओं और भविष्य की प्लानिंग के बारे में डिटेल में जानकारी दी। इस समय बताया गया कि ज़रूरी एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस पूरे होने के बाद, नया ESIS हॉस्पिटल जल्द ही वर्किंग क्लास की सर्विस के लिए खोल दिया जाएगा। साथ ही, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) और महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना (MJPJAY) के तहत बेनिफिशियरी को भी इस हॉस्पिटल की सर्विस का फायदा मिलेगा।

650 रिक्शा चालकों ने सीखी मराठी

उल्हासनगर. रिक्शा ड्राइवर-मालिक एसोसिएशन के प्रेसिडेंट रमाकांत चव्हाण की मराठी भाषा की ट्रेनिंग पहल को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इसका मकसद उल्हासनगर में अमराठी और हिंदी बोलने वाले रिक्शा ड्राइवर और मालिक आसानी से मराठी सीख सकें और यात्रियों से ज़्यादा अच्छे से और प्यार से बात कर सकें। यह पहल यात्रियों और रिक्शा ड्राइवरों के बीच भाषा के ज़रिए बातचीत को ज़्यादा करीबी, अच्छा और असरदार बनाने में अहम साबित हो रही है।

30 जून से 10 जुलाई, 2026 तक हुई इस ट्रेनिंग में 650 से ज़्यादा रिक्शा ड्राइवरों और रिक्शा मालिकों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया और ट्रेनिंग को कामयाबी से पूरा किया। यह पहल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक, मंत्री उदय सामंत की प्रेरणा से और MP डॉ. श्रीकांत शिंदे के गाइडेंस में शुरू की गई थी।

ट्रेनिंग के दौरान प्रो. डॉ. प्रकाश माली, प्रल्हाद कोल्टे, प्रमोद पांडे, निखिल पाटिल के साथ-साथ ईश्वर सपकाले, प्रमोद पाटिल, राहुल जैन और डॉ. गोविंद गायकवाड़ ने हिस्सा लेने वालों को मराठी भाषा के महत्व, रोज़ाना की बातचीत और यात्रियों से असरदार बातचीत के बारे में गाइड किया।

ऑर्गनाइज़र ने बताया कि ट्रेनिंग पूरी करने वाले सभी रिक्शा ड्राइवरों को महाराष्ट्र सरकार की तरफ से एक ऑफिशियल सर्टिफिकेट दिया जाएगा। 'चलो मराठी बोलें... चलो मराठी बोलें!' नारे से प्रेरित होकर इस पहल ने मराठी भाषा के फैलाव, सामाजिक मेलजोल और नागरिक-उन्मुख सेवाओं को और असरदार बनाने को बहुत बढ़ावा दिया है। हरजिंदर सिंह (विक्की) भुल्लर ने यह विश्वास जताया।

मराठी के प्रति सम्मान बढ़े...

मराठी भाषा महाराष्ट्र की संस्कृति और पहचान की पहचान है। मुझे गर्व है कि रिक्शा ड्राइवरों ने बिना किसी तैयारी के ट्रेनिंग पूरी की। हम भविष्य में भी ऐसी पहल करते रहेंगे ताकि यात्रियों से बातचीत आसान हो और मराठी के प्रति सम्मान बढ़े।

- हरजिंदर सिंह (विक्की) भुल्लर
प्रेसिडेंट, रमाकांत चव्हाण रिक्शा ड्राइवर्स-ओनर्स एसोसिएशन

कल्याण. केडीएमसी क्षेत्र में 18 जुलाई तक विश्व जनसंख्या दिवस सप्ताह मनाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य संदेश दो जन्मों में अंतर, परिवार सुदृढ़ निरंतर रखा गया है। अभियान के तहत परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा संतुलित जनसंख्या वृद्धि को लेकर व्यापक जनजागरूकता चलाई जाएगी।

आज अंबरनाथ नपा विषय समिति सभापति के चुनाव

■ कौन-सी समिति का कौन होगा सभापति?
■ इस पर सबकी नजरें

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद 6 विषय समिति सदस्यों, सभापति के चुनाव आज सोमवार को अंबरनाथ नपा में प्रांत अधिकारी विजय आनंद शर्मा की निगरानी में संपन्न होने जा रहे हैं. शिवसेना-भाजपा, राकांपा के बीच बैठकों का दौर शुरू हो गया है. शनिवार को दोनों पक्ष की एक बैठक में ये चर्चा हुई कि कौन-सी समिति किसको दी जाए. पहले नगरसेवकों में से ही सदस्य चुने जाएंगे. इन सदस्यों में से ही सभापति चुना जाएगा.

विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पहला वर्ष बांधकाम व जलापूर्ति विभाग समिति शिवसेना को दी जाएगी और भाजपा को पहला वर्ष, नियोजन (टाउन प्लानिंग) और बाल कल्याण समिति दी जाएगी. स्वास्थ्य समिति एवं मागासवर्गीय समिति किसको दी जाए, इस पर चर्चा शुरू है. ये भी पता चला है कि शिवसेना के कोटे से ही राकांपा (अ.प.) को एक सभापति पद दिया जाएगा. आज सोमवार को शाम तक ये स्पष्ट हो जाएगा कि किसको सभापति बनाया गया है. शिवसेना भाजपा में आपसी गठबंधन वरिष्ठ नेताओं ने करा दिया है, लेकिन गत कुछ दिनों से दोनों के बीच कटुता बहुत बढ़ गई है. इसलिए क्या होगा, क्या नहीं होगा ये कहा नहीं जा सकता. पुलिस भी आज के चुनाव को देखते हुए अलर्ट हो गई है.

विदित हो कि नगरपरिषद में शिवसेना, राकांपा एक निर्दलीय कुल 32 हैं तो भाजपा, कांग्रेस (भाजपा), एक निर्दलीय, नगराध्यक्षा को मिलाकर कुल 28 नगरसेवक हैं.

कसारा घाट में सुरक्षा दीवार गिरी

■ हाईवे में दरारें
■ नासिक जाने वाले ट्रैफिक पर असर

शहापुर. पुराने कसारा घाट में जवाहर फाटा के पास मुंबई-नासिक हाईवे पर भारी बारिश की वजह से शनिवार सुबह एक दीवार गिर गई, जिससे हाईवे के किनारे दरारें आ गईं। संभावित खतरे को देखते हुए, प्रशासन ने नासिक की ओर जाने वाले ट्रैफिक को वन-वे रोड पर शुरू कर दिया है, और डर है कि अगली बारिश में सड़क का एक बड़ा हिस्सा गिर सकता है।

शहापुर तालुका में पिछले पांच दिनों से हो रही भारी बारिश का असर अब मुंबई-नासिक हाईवे पर भी पड़ा है। पुराने कसारा घाट में जवाहर फाटा के हालिया मोड़ पर शनिवार सुबह करीब 20 फीट लंबी सुरक्षा दीवार अचानक गिर गई। दीवार गिरने के बाद, सड़क के नीचे की मिट्टी और पत्थर बहकर घाटी में चले गए, जिससे हाईवे की नींव कमजोर हो गई। नतीजतन, सड़क के किनारे दरारें आ गई हैं, जिससे इस रास्ते पर ट्रैफिक की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

इस जगह पर सिर्फ़ चार महीने पहले ही सुरक्षा दीवार की मरम्मत की गई थी। लेकिन, लगातार भारी बारिश की वजह से नया किया गया काम टिक नहीं पाया। इसलिए, इस मरम्मत की क्वालिटी पर सवाल उठ रहे हैं और सरकारी पैसे से हुए काम की क्वालिटी पर भी चर्चा शुरू हो गई है।

घटना के बाद, संबंधित अधिकारियों ने तुरंत प्रभावित इलाकों में बैरिकेड लगा दिए। एहतियात के तौर पर नासिक की ओर जाने वाले ट्रैफिक को वन-वे लेन पर रखा गया है। इस वजह से घाट इलाके में गाड़ियों की कतारें लग रही हैं और ट्रैफिक की स्पीड भी धीमी हो गई है। इस बीच, हालात और खराब होने की संभावना है क्योंकि मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। चूंकि सड़क के नीचे मिट्टी का भराव लगातार बह रहा है, अगर तुरंत पक्की मरम्मत नहीं की गई, तो हाईवे का एक बड़ा हिस्सा गिरने का खतरा है। इसलिए, ड्राइवरों और स्थानीय नागरिकों की मांग है कि संबंधित विभाग तुरंत हाई-लेवल इंस्पेक्शन करे और लंबे समय के उपाय करे।

अंबरनाथ स्टेशन रोड पर अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की मांग

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम स्टेशन रोड पर एक होटल एवं वाइन मार्ट के पीछे धड़ल्ले से अवैध निर्माण किया गया है. इन अवैध निर्माणों को तोड़ने का मुद्दा नगरसेवक विकास सोमेश्वर ने 3 जुलाई को हुई महासभा में उठाया था. आज 10 दिन बीत जाने के बाद भी इस अवैध निर्माण पर कार्रवाई नहीं किया गया है. ये अवैध निर्माण मुख्य रिक्शा स्टैंड पर ही किया गया है. जिसके कारण रिक्शा चालकों को रिक्शा खड़ी करन में परेशानी हो रही है.

विकास ने आरोप लगाया है कि इस अवैध निर्माण में बड़े पैमाने पर अवैध धंधे चल रहे हैं. उनका आरोप है कि 100 मीटर के फासले पर ही स्टेशन की मुख्य पुलिस चौकी है. इन पुलिसकर्मियों के संरक्षण में यहां अवैध धंधे जोरों पर है. उनका ये भी कहना है कि स्टेशन रोड के मुख्य दुकानदारों ने पीछे की तरफ 100 फुट लंबाई तक का अवैध निर्माण किया है. उन्होंने कहा है कि शहर में अगर छोटी से हाथ गाड़ी लगाकर कोई भजिया, वड़ा पाव, इडली, भाजी तरकारी अगर कोई गरीब बेचता है तो उसकी हाथगाड़ी तोड़ दी जाती है या जब्त कर ली जाती है. लेकिन इन बड़े दुकानदारों के अवैध निर्माण पर कार्रवाई नहीं की जाती है. अतिक्रमण विभाग को ये दोहरा मापदंड नहीं करना चाहिए. अगर जल्द ही इन अवैध निर्माणों पर कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने आंदोलन का इशारा नपा प्रशासन को दिया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

फिर ढह गई इमारत

राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते अमूमन यह माना जाता है कि दिल्ली में समूची व्यवस्था अन्य शहरों के मुकाबले ज्यादा बेहतर होगी। सरकार और स्थानीय प्रशासन के दावों में भी यही झलकता है, लेकिन चिंता की बात यह है कि जब हकीकत सामने आती है, तब भी उसमें सुधार सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहता है।

इसका एक प्रमुख उदाहरण है बारिश के दिनों में दिल्ली की रफ्तार थम जाना। हर साल राजधानी के बाशिंदों को जलभराव और यातायात अवरुद्ध हो जाने की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दिल्ली में समग्र विकास के आश्वासनों के साथ सत्ता परिवर्तन जरूर हुआ है, लेकिन समस्याओं का संजाल अभी भी कमोबेश वैसा ही बना हुआ है।

यही वजह है कि बीते गुरुवार को मानसून की पहली तेज बारिश में ही कई जगह सड़कें तालाब बन गईं, यातायात ठप हो गया और लोगों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी। सवाल है कि बरसात से पहले संबंधित महकमों की ओर से जिन पूर्व तैयारियों का भरोसा दिलाया जाता है, वे समय आने पर कहां गायब हो जाती हैं!

कहने को राष्ट्रीय राजधानी में हर साल मानसून के आगमन से काफी पहले समस्याओं से निपटने की औपचारिक तैयारी शुरू हो जाती है। इसके तहत मुख्य रूप से छोटे-बड़े नालों और सड़क किनारे जलनिकासी के लिए बनी नालियों की सफाई करनी होती है। मगर इन तैयारियों का अधिकांश कार्य कागजों तक ही सीमित रहता है। जाहिर है कि सरकार का जोर व्यवस्था को सुधारने पर कम और दावों पर ज्यादा रहता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि दिल्ली में जलभराव की समस्या पर सियासत भी खूब होती है।

इस बार भी सत्ता पक्ष की ओर से दावा किया जा रहा है कि पिछली सरकार के कार्यकाल के मुकाबले जलभराव का संकट काफी कम हुआ है। वहीं, विपक्ष का कहना है कि दो-तीन चिह्नित स्थलों को छोड़कर बाकी जगह का हाल जस का तस बना हुआ है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार तुलनात्मक सुधार का हवाला देकर अपनी पीठ थपथपाने के बजाय समस्या की गंभीरता पर ध्यान केंद्रित करे और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि लोगों को बारिश में किसी तरह की परेशानी न झेलनी पड़े।

विमर्श

बरसात में बेहाल होते शहर

एल नीनो के असर के बावजूद मानसून ने देश के हर कोने में दस्तक दे दी है। इससे किसान कुछ हद तक राहत महसूस कर रहे हैं, फिर भी कई क्षेत्रों में बारिश की कमी के कारण फसल की बोआई देरी से चल रही है। फिलहाल यह नहीं कहा जा सकता कि आगे मानसून अपनी गति बरकरार रखेगा और पर्याप्त बारिश होगी।

इस कारण खेती को लेकर चिंता बरकरार है और सरकार भी इसे लेकर सजग दिख रही है। मानसून के आगमन ने जहां भारत के अनेक हिस्सों में भीषण गर्मी से राहत दी है, वहीं हर वर्ष की तरह उसने नगर निकायों की पोल खोल दी है, क्योंकि देश के अनेक छोटे-बड़े शहर वर्षा जनित समस्याओं और खासकर जल भराव से त्रस्त हैं। यह कोई नई बात नहीं।

दशकों से भारत के शहरों में लोग बरसात में जल भराव और उससे जुड़ी समस्याओं से जूझते हैं। इसके बाद भी नगर निकायों के काम करने के तौर-तरीके बदल नहीं रहे हैं।

हमारे नगर निकाय न तो जल भराव से निपट पा रहे हैं और न ही सीवर, नालियों और नालों को उफनने से रोक पा रहे हैं। इसी कारण बरसात होते ही जल भराव के कारण कई तरह की दुर्घटनाएं होती हैं। कहीं ट्रैफिक जाम हो जाता है, कहीं सड़कें धंस जाती हैं, कहीं करेंट उतर आता है तो कहीं लोग गड्ढों में भरे पानी या खुले मैनहोल में गिर जाते हैं।

हर बारिश में न जाने कितने लोग अपनी जान गंवा देते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ। बीते दिनों अकेले दिल्ली-एनसीआर में मानसून की पहली बारिश में अलग-अलग दुर्घटनाओं में छह लोग मारे गए। यह बरसात की शुरुआत का हाल है। आने वाले दिनों में जलभराव के साथ कहीं-कहीं बाढ़ की भी स्थिति देखने को मिल सकती है। इसके अलावा भारी बरसात, भूस्खलन या फिर बादल फटने की घटनाओं से भी जान-माल को नुकसान हो सकता है। केरल के जिस वायनाड में कुछ साल पहले भारी बरसात में कई लोग मारे गए थे, वहां बीते दिनों एक कंस्ट्रक्शन साइट के पास भूस्खलन से तबाही मची। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस तरह की घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं के लिए चिंता का कारण बननी चाहिए, क्योंकि वर्षा जनित समस्याओं के चलते लोगों की जान जाने के साथ शहरी ढांचे को अच्छा-खासा नुकसान भी होता है। आखिर क्या कारण है कि जो मानसून देश की आर्थिकी के लिए अत्यधिक जरूरी है, वही ग्रामीण से लेकर शहरी इलाकों में तमाम समस्याओं को भी जन्म देता है? छोटे शहरों की बात तो दूर रही, देश के प्रमुख महानगर तक बारिश में गंभीर समस्याओं से घिर जाते हैं और उनमें जनजीवन बाधित हो जाता है। पिछले दिनों मुंबई में तीन दिन की भारी बरसात से आफत सी आ गई।

मुंबईवासियों को उन्हीं समस्याओं से फिर दो-चार होना पड़ा, जिनका सामना वे वर्षों से करते चले आ रहे हैं। इन समस्याओं से आजिज कुछ लोगों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उसने मामले की सुनवाई करते हुए यह कहा कि जब लोग फुटपाथ, नदी-नालों, सड़कों पर अतिक्रमण कर लेंगे तो यह नौबत तो आएगी ही। उसके अनुसार मुंबई के हालात सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के दुरुपयोग के चलते खराब हुए।

अपने देश के बड़े शहर इसलिए और अधिक समस्याओं से घिर गए हैं, क्योंकि उनके बीच स्थित गांव और पुरानी बस्तियां अनियोजित विकास का पर्याय बन गई हैं। उनमें जल निकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं होती और सीवेज सिस्टम भी दोयम दर्जे का होता है।

कभी इन गांवों की आबादी सीमित थी, लेकिन शहरीकरण के क्रम में उनकी आबादी हजारों और लाखों में हो गई है। आज दिल्ली-एनसीआर के कुछ गांवों में लाखों लोग रह रहे हैं। आम तौर पर ग्रामीण इलाकों से जो पलायन होता है, वह इन्हीं शहरी गांवों में आकर बसता है। नगर निकायों ने इन गांवों के आधारभूत ढांचे को ठीक करने के लिए जो कुछ किया है, वह ऊंट के मुंह में जीरे के सामान ही है।

नगर निकाय और राज्य सरकारें इन शहरीकृत गांवों में अनियोजित विकास को रोक नहीं पा रही हैं। इसका एक कारण यह है कि सभासदों यानी पार्षदों के एजेंडे में सुनियोजित विकास है ही नहीं। एक विडंबना यह भी है कि लोग शहरीकरण की चुनौतियों के समाधान के इरादे से सभासदों का चुनाव मुश्किल से ही करते हैं। यही स्थिति विधायकों और सांसदों के मामले में भी है। इसके चलते शहरों की रोजमर्रा की तकलीफें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अपने देश में अभी भी वोट जाति-पंथ या अन्य आधार पर दिए जाते हैं, न कि प्रत्याशी की योग्यता को देखकर।

हम में से हरेक को वो सब दिया गया है जो हमें अपने सच्चे स्वरूप को जानने के लिए चाहिए।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

जांच होती है, फिर हादसे क्यों नहीं रुकते?

आमतौर पर किसी हादसे के बाद उसके कारणों पर बात होती है। सरकार मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच एजेंसी गठित करती है। मगर उसके बाद शायद ही कभी कारणों के तमाम पहलुओं के आधार पर हादसों से निपटने के लिए कोई व्यापक कार्ययोजना बनती है और उसे एक नियमन की तरह देखा जाता है।

लगभग सभी दुर्घटनाओं और उनकी जांच रिपोर्ट को एक खास घटना के दायरे में समेट कर देखा जाता है। जबकि सबसे जरूरी यह होना चाहिए कि किसी हादसे के बाद उसके कारणों को ध्यान में रख कर भविष्य के लिए ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसा दोबारा न हो। एक अहम पहलू यह भी है कि हमारे यहां हादसों के बाद संवेदना जाहिर करने से लेकर सवाल उठाने तक में तो कमी नहीं की जाती, लेकिन उससे बचाव के पूर्व-इंतजामों को लेकर शायद ही कभी गंभीरता दिखाई जाती है। यही वजह है कि एहतियाती उपायों की अनदेखी आखिर किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बनती है और उसमें जानमाल की क्षति होती है।

कुछ समय पहले दिल्ली और लखनऊ की दो अलग-अलग घटनाओं ने इस मसले पर सरकारी महकमों की उदासीनता और लापरवाही की एक अघोषित तौर पर चलती रहने वाली उस 'व्यवस्था' को उजागर किया, जो ऐसे हादसों की मूल वजह है। दरअसल, दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में एक इमारत में लगी आग में फंसने के बाद जहां इक्कीस लोगों की जान चली गई, वहीं लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में इसी तरह की घटना में पंद्रह विद्यार्थियों की मौत हो गई।

निश्चित तौर पर इसके लिए उन इमारतों के प्रबंधन की जवाबदेही बनती है, लेकिन सवाल है कि जिन लापरवाहियों या खामियों की वजह से वे भयावह हादसे हुए, उनकी जांच करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी थी? कायदे से इसके लिए उन सरकारी महकमों और अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, जिनका दायित्व है कि वे समय-समय पर इमारतों में अग्निशमन से लेकर बचाव इंतजामों की जांच करें।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और लखनऊ में आग लगने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को नगर निकायों को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि समय-समय पर दिए गए निर्देशों का पालन न करने वाले शीर्ष अधिकारी अब व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। अदालत की यह टिप्पणी बेहद अहम है कि हादसों के बाद सिर्फ भवन निर्माताओं को गिरफ्तार किया जाता है, जबकि घटना वाले क्षेत्र के अधिकारियों को छोड़ दिया जाता है।

यह छिपा नहीं है कि किसी इमारत में आग लगने की वजह से अगर लोग मारे जाते हैं, तो उसकी मुख्य वजह बचाव के इंतजामों को ताक पर रख देना होता है। मसलन, अचानक आग लगने की स्थिति में उसे बुझाने या उससे बचने के लिए वैकल्पिक निकास की ठोस व्यवस्था न होना लोगों की जान जाने की सबसे बड़ी वजह होती है। आजकल कई इमारतों में सुरक्षा के आधुनिक इंतजाम के नाम पर 'डिजिटल दरवाजे' लगा दिए जाते हैं, जो हादसे की स्थिति में काम करना बंद कर देते हैं और उसमें लोग फंस कर मारे जाते हैं।

सवाल है कि अग्निशमन से लेकर बचाव के तमाम उपायों को सख्ती से लागू कराना किसकी जिम्मेदारी है। इसलिए यह बिल्कुल उचित सवाल है कि केवल इमारतों के मालिकों या प्रबंधकों को कठघरे में खड़ा करना काफी नहीं है, बल्कि हादसे की मुख्य जड़ यानी संबंधित महकमे और शीर्ष अधिकारियों की लापरवाही और अनदेखी का इलाज करना जरूरी है।

दुनिया का इकलौता देश, जहां लगती है नोटों की मार्केट

क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा देश भी है, जहां लोग डिजिटल पेमेंट इसलिए करते हैं क्योंकि

जरा हट के

नकद लेकर चलना लगभग नामुमकिन है? यहां बाजारों में फल-सब्जियों से ज्यादा नोटों के बंडल नजर आते हैं. छोटी-सी खरीदारी के लिए भी लोगों को थैले भरकर नोट ले जाने पड़ते हैं. आइए जानते हैं इस अनोखे देश और इसके हैरान करने वाले 'नोटों के बाजार' की कहानी.

दरअसल, हम बात कर रहे हैं सोमालीलैंड की, जो उत्तरी अफ्रीका में अदन की खाड़ी के पास स्थित है. साल 1991 में इस क्षेत्र ने खुद को सोमालिया से अलग घोषित कर दिया था. हालांकि, आज भी संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया के अधिकांश देशों ने इसे स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता नहीं दी है. करीब 40 लाख की आबादी वाला यह क्षेत्र खुद को एक स्वतंत्र गणराज्य मानता है और अपनी

सरकार तथा प्रशासन भी खुद ही चलाता है.

सोमालीलैंड की आधिकारिक मुद्रा सोमालीलैंड शिलिंग है. लेकिन इसकी कीमत इतनी कम है कि एक अमेरिकी डॉलर के बदले करीब 9 हजार शिलिंग देने पड़ते हैं. यहां 500 और 1000 शिलिंग के नोट सबसे ज्यादा चलते हैं. यही वजह है कि अगर किसी व्यक्ति को रोजमर्रा के लिए भी कोई चीज भी खरीदनी होती है, तो उसे नोटों का बड़ा बंडल साथ लेकर जाना पड़ता है.

सोमालीलैंड के बाजारों का सबसे अनोखा नजारा यही है. यहां फल और सब्जियों से ज्यादा नोटों के ढेर दिखाई देते हैं. अगर किसी को एक सिगरेट खरीदनी हो, तो भी 500 या 1000 शिलिंग के कई नोट देने पड़ सकते हैं. वहीं, एक थैला भर सब्जी खरीदने के लिए लोगों को नोटों से भरा झोला लेकर बाजार जाना पड़ता है. अगर कोई महंगे गहने या बड़ी खरीदारी करना चाहे, तो नोटों के बंडल ट्रक में भी लेकर जाना पड़ सकता है. इतनी कम मूल्य वाली करेंसी के कारण नकद ले जाना लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है. इसी वजह से सोमालीलैंड में मोबाइल पेमेंट और डिजिटल लेन-देन तेजी से बढ़ा है.

खाना-खजाना

लौकी का क्रिस्पी चीला

हम ज्यादातर कभी बेसन का चीला बनाते हैं तो कभी मूंग दाल या सूजी का चीला। कभी लौकी का चीला ट्राई किया है? अगर नहीं तो इसका स्वाद एक बार चखना बनता है। यह चीला घर में उन बच्चों और बड़ों का भी फेवरेट बन जाएगा जो लौकी खाना कभी पसंद नहीं करते।

सामग्री

- 2 मीडियम साइज लौकी
- 1/2 कप बेसन
- 2 छोटे चम्मच सूजी
- 2-3 हरी मिर्च
- 1 छोटे चम्मच लाल मिर्च
- 1/2 चम्मच भुना हुआ जीरा पाउडर
- 3-4 बड़े चम्मच तेल
- 1/2 चम्मच गरम मसाला
- स्वादानुसार नमक
- 2 बड़े चम्मच धनिया

विधि

सबसे पहले लौकी को अच्छे से धो लेना है। उसके बाद लौकी को घिसकर एक बर्तन में रख लें।

इसी लौकी में बेसन और सूजी डालकर घोल तैयार कर लें। ध्यान रहे कि घोल ज्यादा पतला न हो और

न ही ज्यादा गाढ़ा। इसे हल्का गाढ़ा रखना है। ऊपर से लाल मिर्च, नमक, गरम मसाला, जीरा पाउडर, धनिया, हरी मिर्च और स्वादानुसार नमक डालें।

सारे मसाले को चीले के बैटर में अच्छे से मिक्स कर लेना है। गैर पर तवा रखें और उसपर तेल डालकर चिकना कर लें, जिससे चीला चिपके नहीं। अब बैटर को तवे पर फैलाकर गोल आकार दें।

इसे तब तक सेंकना है जब तक चीला हल्का भूरा सा न हो जाए। फिर दूसरी तरफ पलटकर चीले पर तेल लगाएं और अच्छे से सेंक लें।

इसे सॉस या हरी चटनी के साथ परोसें। आपका गरमा गरम लौकी का चीला तैयार है।

मीठा खाने का शौक छीन रहा है चेहरे का ग्लो

त्वचा के हर समय बेजान रहने की वजह हमेशा अनहेल्दी डाइट नहीं होती, बल्कि खाने में मीठा इसका सबसे बड़ा कारण है। सुबह की चाय और कॉफी से लेकर खाने के बाद की डेजर्ट तक, सब में शुगर शामिल है। साइंस भी यह मानता है कि शुगर के ज्यादा सेवन से त्वचा पर दाग-धब्बे और रिंकल्स बढ़ते हैं और स्किन बहुत ही कम उम्र में बूढ़ी हो जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे खाने का हमारे शरीर पर सीधा असर पड़ता है, फिर चीनी को इसमें कैसे भुला जा सकता है।

ज्यादा चीनी खाने से स्किन को होने वाले नुकसान

मीठा खाने में जितना स्वादिष्ट लगता है, यह स्किन पर उससे भी ज्यादा बुरे प्रभाव दिखा सकता है। यहां चीनी के सेवन से स्किन पर होने वाले नुकसान के बारे में बताया जा रहा है:

पिंपल और एक्ने

ज्यादा मीठा खाने से हमारा पाचन तंत्र इसे तुरंत ग्लूकोज में बदल देता है। इससे ब्लड शुगर लेवल और इंसुलिन अचानक से बढ़ जाता है, नतीजतन सीबम प्रोडक्शन भी ज्यादा होने लगता है। इसी की वजह से पिंपल और मुहांसे आने लगते हैं।

सूजन की समस्या

चीनी या उससे बनी चीजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स सबसे ज्यादा होता है। इसकी वजह से शरीर में सूजन बढ़ने का खतरा रहता है।

कम उम्र में झुर्रियां

जब हम शुगर का ज्यादा सेवन करते हैं तो इससे ब्लड में भी इसकी मात्रा बढ़ जाती है। यह ग्लाइकेशन के प्रोसेस को बढ़ाता है, और इंसुलिन रेजिस्टेंस पैदा हो जाता है। इससे स्किन में मौजूद कोलेजेन और एलास्टिन नाम के दो प्रोटीन अपना काम ठीक से नहीं कर पाते, जिससे रिंकल्स आने लगते हैं।

कैसे पहचानें चीनी पहुंचा रही है त्वचा को नुकसान?

ऐसे कई संकेत हैं जिनकी मदद से पहचाना जा सकता है कि चीनी की वजह से त्वचा खराब हो रही है। आइए इनपर एक नजर डालें:

- गाल और माथे पर गहरी झुर्रियां
- चिन और जॉलाइन के पास ढीली त्वचा
- त्वचा पर लालिमा और एक्ने
- सीबम प्रोडक्शन की वजह से बड़े पोर्स
- पीली या ग्रे बेजान सी त्वचा

त्वचा को ठीक कैसे करें?

त्वचा को ठीक करने के लिए चीनी को कम से कम करने की जरूरत है। इसके बजाय खाने में नेचुरल शुगर या स्वीटनर को खाने में शामिल किया जा सकता है। एंटी ग्लाइकेशन फूड्स जैसे- बैरीज, ग्रीन टी, ब्रोकोली और पालक को डाइट में जोड़ें।

आज का राशिफल

मेष : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ : विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनहानि की आशंका है। व्यापार-व्यवसाय में धीमापन रह सकता है। आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा।

मिथुन : मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। विवाद होगा।

कर्क : आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रमाद न करें।

सिंह : रुके हुए कार्य पूरे होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कन्या : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। आय में कमी होगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें।

तुला : यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। कार्यभार व अधिकार में वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक : कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रमाद न करें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

धनु : अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें। प्रमाद न करें।

मकर : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी से बचें। आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

कुंभ : कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। धनहानि भी आशंका है।

मीन : भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ज्यादा थ्रेडिंग से पतली हो गई हैं आईब्रोज?

वापस घना, डार्क और खूबसूरत बनाने के लिए ट्राई करें ये नेचुरल टिप्स

आंखों को खूबसूरत बनाने में घनी, शेप्ड और नेचुरल आईब्रोज अहम भूमिका निभाते हैं। पतली या हल्की आईब्रोज चेहरे की सुंदरता को फीका बना देती हैं, वहीं घनी भौंहें आंखों को आकर्षक और एक्सप्रेसिव लुक देती हैं। ज्यादा थ्रेडिंग, केमिकल प्रोडक्ट्स, हार्मोनल बदलाव या पोषण की कमी से आईब्रोज की ग्रोथ धीमी हो जाती है। हालांकि, घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर आप अपनी आईब्रोज को नेचुरली घना, मजबूत और खूबसूरत बना सकती हैं। तो आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में।

कैसे बनाएं अपनी आईब्रो को घना?

कैस्टर ऑयल मसाज- कैस्टर ऑयल में मौजूद फैटी एसिड और विटामिन-ई बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं। रात को कॉटन बड से आईब्रोज पर हल्की मसाज करें और सुबह गुनगुने पानी से वॉश कर लें। रोजाना इस्तेमाल से ग्रोथ तेज होती है।

नारियल तेल और विटामिन-ई- नारियल तेल में विटामिन-ई कैप्सूल मिलाकर आईब्रोज पर लगाएं। इससे बालों को पोषण मिलता है और टूटना कम होता है। यह उपाय खासतौर पर ड्राय स्किन वालों के लिए फायदेमंद है।

प्याज का रस- प्याज में सल्फर होता है, जो हेयर फॉलिकल्स को एक्टिव करता है। कॉटन से हल्का-सा प्याज रस आईब्रोज पर लगाएं, 15 मिनट बाद धो लें। हफ्ते में 2-3 बार ऐसा करें। सेंसिटिव स्किन वाले पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

एलोवेरा जेल- एलोवेरा जेल बालों को मॉइस्चराइज करता है और नई ग्रोथ में मदद करता है। ताजा जेल निकालकर रोजाना आईब्रोज पर लगाएं और हल्की मसाज करें।

बादाम तेल- बादाम तेल में बायोटिन और विटामिन-ई भरपूर होता है। इससे आईब्रोज घनी और शाइनी बनती हैं। रात में लगाने से बेहतर रिजल्ट मिलता है।

ये बातें है जरूरी

अच्छी ग्रोथ के लिए प्रोटीन, आयरन, बायोटिन, नट्स, हरी सब्जियां, फल लें और भरपूर मात्रा में पानी पिएं। अगर आप नियमित रूप से इन घरेलू उपायों को अपनाएं और सही केयर रखें, तो आपकी पतली आईब्रोज घनी, मजबूत और खूबसूरत बन सकती हैं। इससे आपकी आंखों को अट्रैक्टिव लुक मिलेगा।

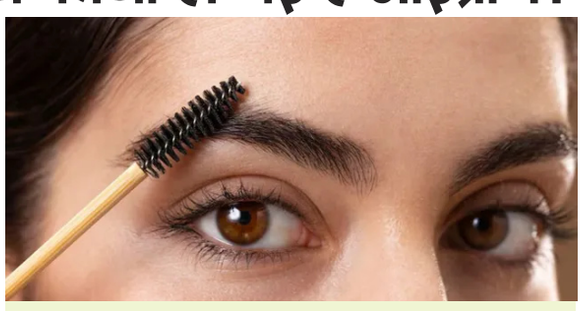

नया लुक देने के आसान टिप्स

- आईब्रोज को सही शेप दें, बहुत ज्यादा थ्रेडिंग से बचें।
- खाली जगह भरने के लिए ब्राउन आईब्रोज पेंसिल या जेल का हल्का इस्तेमाल करें।
- ब्रश से आईब्रोज को ऊपर की दिशा में कंघी करें जिससे नेचुरल वॉल्यूम दिखे।
- हफ्ते में एक बार हल्का एक्सफोलिएशन करें जिससे पोर्स क्लीन रहें।

सिर्फ सब्जी नहीं, औषधि का भी खजाना है भिंडी

भिंडी एक ऐसी हरी सब्जी है, जो लगभग हर घर की रसोई में आसानी से मिल जाती है. स्वादिष्ट होने के साथ-साथ यह सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद मानी जाती है. आयुर्वेद में भिंडी को औषधीय गुणों से भरपूर बताया गया है. इसमें ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं. यदि भिंडी का नियमित और संतुलित मात्रा में सेवन किया जाए, तो यह कई बीमारियों से बचाव करने में सहायक हो सकती है.

मधुमेह के मरीजों के लिए भी लाभकारी

आयुर्वेद विशेषज्ञ बताते हैं कि भिंडी में मौजूद घुलनशील फाइबर शरीर में शुगर के अवशोषण की गति को धीमा करने में मदद करता है. इससे रक्त में शर्करा का स्तर संतुलित रखने में सहायता मिल सकती है. हालांकि, मधुमेह के मरीजों को अपनी दवा बंद नहीं करनी चाहिए और डॉक्टर की सलाह के साथ ही अपने भोजन में बदलाव करना चाहिए.

दिल को रखती है स्वस्थ

भिंडी में मौजूद फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करने में मदद कर सकता है. इसके अलावा इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और पोटैशियम हृदय को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं. नियमित रूप से भिंडी खाने से हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है.

हड्डियों को बनाती है मजबूत

भिंडी में कैल्शियम और विटामिन के अच्छी मात्रा में पाया जाता है. ये दोनों पोषक तत्व हड्डियों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. बढ़ती उम्र के लोगों और महिलाओं के लिए भिंडी का सेवन विशेष रूप से लाभदायक माना जाता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मायके जाने की जिद पर गुस्साए पति ने बीवी की काटी नाक

लखीमपुर खीरी. यूपी के लखीमपुर खीरी जिले के पड़ुआ थाना क्षेत्र के ढखेरवा गांव में पत्नी के मायके जाने की जिद को लेकर शुरू हुआ घरेलू विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि गुस्साए पति ने पत्नी की पिटाई करने के बाद दांतों से उसकी नाक काट ली। पुलिस के अनुसार, ढखेरवा गांव के रहने वाले श्रवण कुमार कश्यप और उसकी पत्नी प्रीति कश्यप के बीच मायके जाने को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि विवाद के दौरान श्रवण ने प्रीति पर हमला कर दांतों से उसकी नाक काट ली, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद प्रीति ने अपने मायके चचरा गांव में परिजनों को सूचना दी। इसके बाद उसके पिता बनवारी और मां श्रीदेवी ढखेरवा गांव पहुंचे। आरोप है कि यहां दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई। इस दौरान सास श्रीदेवी ने दामाद की बहन मोनी कश्यप की नाक दांतों से काट कर जख्मी कर दिया।

चचेरे भाई ने रेप के बाद की नाबालिग बहन की हत्या, सबूत मिटाने को फंदे से लटकाया शव

औरैया. यूपी के औरैया में रास्ते का मामूली विवाद एक नाबालिग की जान पर बन आया। चचेरे भाई ने दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी। आरोप है कि साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से किशोरी के शव को फांसी के फंदे पर लटका दिया गया। 16 वर्षीय पीड़िता के पिता ने तहरीर देते हुए बताया कि सुबह करीब सात बजे रास्ते के विवाद में उनके भाई के बेटे से विवाद हो गया था। वह बिधूना चले गए। घर पर उनकी 16 वर्षीय बड़ी बेटी, 11 वर्षीय छोटी बेटी और पांच साल का बेटा था। आरोप है कि शाम करीब चार बजे आरोपित बदला लेने के इरादे से घर में घुस आया और बड़ी बेटी के साथ दरिंदगी की। उसकी हत्या कर शव को छत के कुंडे में फंदे से लटका दिया।

नाबालिग लड़की को एक लाख में बेचकर करवाई शादी, अपहरण कर तीन दिन तक बंधक बनाए रखा

वाराणसी. यूपी के वाराणसी में चौबेपुर की किशोरी को बहकाकर अपहरण किया और फिर बंधक बनाकर रखा। इसके बाद बुलंदशहर के युवक से शादी के लिए एक लाख रुपये में बेच दिया गया। प्रकरण में चौबेपुर पुलिस ने पड़ोस के गांव के युवक्र, युवक के चाचा-चाची, मथुरा निवासी युवक और उसके मामा को गिरफ्तार किया। किशोरी को मुक्त कराकर काउंसिलिंग की गई। देर रात चिरईगांव चौकी प्रभारी महेश मिश्रा को लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया।

डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार, एडीसीपी लिपि नगायच, एसीपी सारनाथ विनय द्विवेदी ने शनिवार को पुलिस लाइन में घटना की जानकारी दी। बताया कि आरोपियों में चौबेपुर के लखरांव कमौली निवासी राहुल भारद्वाज, उसके चाचा गोपालपुर कमौली निवासी शिवधनी, चाची मैना देवी, बुलंदशहर के धराऊ और मथुरा के बदनपुर खंड मरकटी निवासी नेम सिंह हैं। राहुल ने ही लड़के के मामा नेम सिंह से संपर्क किया था। नेम ने शादी कराने के लिए लड़की उपलब्ध कराने पर एक लाख देने की बात कही थी।

ईरान ने मिडिल-ईस्ट के 6 देशों पर हमला किया

- अमेरिकी अटैक के जवाब में कार्रवाई
- US ने ईरान के 140 ठिकानों पर बम गिराए

अमेरिका की एयरस्ट्राइक के बाद ईरान ने मिडिल-ईस्ट में जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। रविवार को ईरान ने 6 देशों जॉर्डन, कुवैत, बहरीन, कतर, UAE और ओमान में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और रणनीतिक ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

इससे पहले अमेरिका ने ईरान के करीब 140 सैन्य ठिकानों पर बमबारी की थी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, यह बमबारी होर्मुज स्ट्रेट में साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज पर ईरान के हमले के बाद की गई। जहाज में आग लग गई, इंजन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक दल का एक सदस्य लापता हो गया।

इसके बाद ईरान ने जॉर्डन के प्रिंस हसन एयरबेस, कुवैत में अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम और रडार साइट, बहरीन में अमेरिकी सैन्य संचार केंद्र, जबकि कतर और UAE की ओर भी मिसाइल और ड्रोन दागे।

इसके अलावा ईरान ने अगले आदेश तक होर्मुज को बंद करने का ऐलान भी किया है। साथ ही कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर बोले- पिता की मौत का बदला लेंगे

अली खामेनेई के निधन के बाद पहली बार नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि अपने पिता और युद्ध में मारे गए लोगों के खून का बदला लिया जाएगा।

CNN का दावा- ईरान ने परमाणु ठिकानों को दोबारा बनाना शुरू किया

CNN ने सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर दावा किया कि ईरान पारचिन समेत कुछ न्यूक्लियर साइट्स की मरम्मत और दोबारा निर्माण कर रहा है। रिपोर्ट में इसे अमेरिका-ईरान MoU का संभावित उल्लंघन बताया गया।

ईरानी विदेश मंत्री बोले- अमेरिका समझौता तोड़ रहा

विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका खुद MoU का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा कि समझौता तभी चलेगा, जब दोनों पक्ष उसका पालन करें।

ट्रम्प की ईरान को सबसे बड़े हमले की चेतावनी

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या की कोशिश की, तो अमेरिका हजारों मिसाइलों से जवाब देगा। उन्होंने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई के आदेश पहले ही दिए जा चुके हैं।

पत्नी छोड़कर गई तो पति ने करंट देकर 2 बच्चों को मारा, फिर खुद भी दे दी जान!

तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले में पुदुकोट्टई के पास सावेरियारपुरम से एक बेहद खौफनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 40 साल के व्यक्ति ने अपनी पत्नी के छोड़कर जाने के गम में अपने दो नाबालिग बच्चों की करंट लगाकर बेरहमी से हत्या कर दी और उसके बाद उसी बिजली के तार से खुद को भी करंट लगाकर अपनी जान दे दी।

पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान 40 साल के ट्रक ड्राइवर मैरी माइकल, उसकी 14 साल की बेटी मैरी निरोशा (कक्षा 9 की छात्रा) और 12 साल के बेटे मैरी केनिस्टन (कक्षा 7 का छात्र) के रूप में हुई है। दोनों बच्चे एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ते थे।

पहलगाम में बादल फटा, सड़क बही

- उत्तराखंड के हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड
- गाड़ियां-मशीनें मलबे में दबीं

नई दिल्ली. पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई।

उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में लैंडस्लाइड हो गई। कई वाहन और मशीनें मलबे में दब गईं।

उधर, देश के लगभग 70% हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। राजस्थान, दिल्ली-NCR, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है।

बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के राज्यों में तापमान बढ़ गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम कमजोर पड़ा

मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, देश के 70% हिस्से से मानसून के बादल गायब होने के पीछे सबसे बड़ी वजह मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम का कमजोर पड़ना है। 9 जुलाई के बाद बंगाल की खाड़ी में कोई नया मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम नहीं बना, जिससे मानसूनी हवाओं को पर्याप्त नमी नहीं मिल सकी।

इसके साथ ही मानसून ट्रफ भी अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक गई है। इसकी वजह से मध्य, पश्चिम और दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बादल और बारिश की गतिविधियां काफी कम हो गई हैं।

फिलहाल बारिश मुख्य रूप से उत्तर भारत, पूर्वी राज्यों और पूर्वोत्तर तक सीमित है। IMD का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून के फिर से पूरी तरह सक्रिय होने की संभावना कम है।

PM के पंजाब दौरे से पहले ट्रेन में खालिस्तानी नारे

- आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी किया
- खालड़ा का भी जिक्र, इन्हीं पर बनी 'सतलुज' बैन हुई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (SFJ) ने जारी किया है। वीडियो में दिल्ली जाने वाली एक ट्रेन के डिब्बों पर 'खालिस्तान जिंदाबाद' और 'मोदी मुर्दाबाद' जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं।

SFJ के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर पंजाब में आतंकवाद के दौर के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की विरासत का जिक्र करते हुए कथित एनकाउंटर मामलों को उठाया। जसवंत सिंह खालड़ा पर ही दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज बनी थी, जिसे रिलीज होने के दूसरे दिन ही OTT से हटा दिया गया था और अब पूरी तरह से बैन कर दिया गया है। इधर, वीडियो सामने आने के बाद खुफिया एजेंसियां स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं। पुलिस उन लोगों की पहचान करने में जुटी है, जिन्होंने रात के अंधेरे में ट्रेन के डिब्बों पर ये नारे लिखे।

'दाउद इब्राहिम ने ताज होटल में बम लगाया है'

- मुंबई पुलिस को आए फोन कॉल से मचा हडकंप

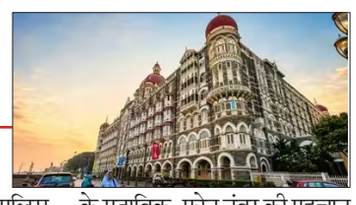

मुंबई. 'दाउद इब्राहिम ने ताज होटल में बम लगाया है।' रविवार अल सुबह मुंबई पुलिस के पास आए एक फोन कॉल ने पूरे पुलिस खेमे के अलर्ट मोड पर ला दिया। इस फोन के तुरंत ही सुरक्षा एजेंसियां एक्टिव हुई और मुंबई के प्रतिष्ठित ताज होटल की तलाशी ली। कई स्तर के जांच अभियान के बाद भी पुलिस को ताज होटल में कोई विस्फोटक सामग्री या फिर किसी घटना का सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने इस फोन कॉल को फर्जी घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, फोन नंबर की पहचान कर ली गई है। आरोपी को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक देर रात करीब 12:13 पर नवी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम के पास एक फोन कॉल आया। फोन करने वाले ने दावा किया कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम ने मुंबई के प्रतिष्ठित ताज होटल में बम लगाया हुआ है। एक फोन कॉल पर यह जानकारी सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ऐक्टिव हुई और कोलाबा स्थित ताज होटल के लिए कई टीमें रवाना कर दीं। इसमें कोलाबा पुलिस, क्राइम ब्रांच और बॉम्ब स्क्वाड भी शामिल था।

आपको बता दें, मुंबई का ताज होटल टाटा ग्रुप के स्वामित्व में आता है। यह दुनिया के सबसे मशहूर होटलों में से एक है। 26/11 हमले के दौरान पाकिस्तानी आतंकवादियों ने इस होटल को भी निशाना बनाया था। यहां पर दो आतंकवादियों ने घुसकर कई लोगों की मार दिया था। इसके बाद होटल की सुरक्षा को लगातार बढ़ाया जाता रहा है। वर्तमान में यह मुंबई के सबसे सुरक्षित इलाकों में से एक है। ऐसे में अगर इस होटल पर किसी हमले या धमाके की धमकी आती है, तो पुलिस सतर्कता के साथ काम करती है।

होटल की हुई पूरी जांच

ताज सुरक्षा एजेंसियों ने ताज होटल में गहन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान होटल के लगभग हर इलाके की जांच करने के बाद मुंबई पुलिस ने इस फोन कॉल को फर्जी घोषित कर दिया। बाद में जांच करने पर पता चला कि यह फोन मुंबई के तुर्भे इलाके से की गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की तलाशी के लिए एक टीम वहां भेजी गई है। हालांकि, इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

ट्विशा शर्मा केस : फंदे पर मिले स्किन टिशू

- दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट से नया मोड़

नई दिल्ली. हाई-प्रोफाइल ट्विषा शर्मा मौत मामले में एक बड़ा और महत्वपूर्ण मोड़ आया है। AIIMS दिल्ली के मेडिकल बोर्ड ने अदालत के आदेश पर किए गए दूसरे पोस्टमॉर्टम की अंतिम फोरेंसिक रिपोर्ट केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) को सौंप दी है। यह रिपोर्ट अदालती निर्देशों का पालन करते हुए एक सीलबंद लिफाफे में दी गई है, जिसके कारण इसके निष्कर्षों को अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एम्स के मेडिकल बोर्ड की तरफ से किए गए लैब और हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षणों में कुछ अहम सबूत मिले हैं। जांच में उस कथित फंदे पर स्किन की मौजूदगी की पुष्टि हुई है, जिसका इस्तेमाल किया गया था। यह फंदा लोहे की रिंग वाली एक जिम्नास्टिक बेल्ट थी। परीक्षणों में यह भी स्थापित हुआ है कि इस जिम्नास्टिक बेल्ट से बनने वाला पैटर्न, ट्विषा शर्मा के गले पर पाए गए चोट के निशानों से पूरी तरह मेल खाता है।

ईरान-अमेरिका युद्ध में फिर निशाना बने भारतीय

- एक लापता; केंद्र सरकार ने जताई चिंता

नई दिल्ली. अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध एक बार फिर से शुरू हो गया है। लेकिन इसके बीच एक बार फिर से भारतीय नाविक हमलों का निशाना बने हैं। ईरान तरफ से जिस साइप्रस के झंडे वाले जहाज पर हमला किया गया था। उसमें 11 भारतीय नाविक सवार थे। इसमें से एक अभी लापता है, जबकि करीब 10 नागरिकों को बचा लिया गया है। इस हमले के बाद ही अमेरिका ने एक बार फिर से ईरान के करीब 140 ठिकानों को निशाना बनाया है। इसके बाद ईरान ने भी पलटवार करते हुए कई अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल से हमला किया है।

भारत सरकार ने इस बात की पुष्टि की है कि घटना के समय जहाज पर 11 भारतीय नाविक मौजूद थे। इनमें से 10 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नाविक अभी भी लापता है।

विदेश मंत्रालय ने जताई चिंता

विदेश मंत्रालय ने इस हमले को लेकर एक बयान जारी कर घटना की निंदा की है। जारी बयान में मंत्रालय ने कहा, रहम आज ओमान के तट पर कमर्शियल जहाज़ GFS गैलेक्सी पर हुए हमले की निंदा करते हैं। जहाज़ पर मौजूद 11 भारतीय नागरिकों में से 10 को अब तक बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक के लापता होने की खबर है। भारतीय दूतावास स्थिति के ऊपर कड़ी निगरानी रखे हुए है। ओमानी अधिकारियों के साथ भी बचाव और राहत कार्य में लगातार बातचीत कर रहे हैं।र

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जारी बयान में भारत सरकार की चिंता के बारे में भी बताया। बयान में लिखा, रइस व्यापारिक क्षेत्र में जहाजों पर लगातार होने वाले हमले बेहद चिंताजनक हैं। हम एक बार फिर से तनाव को कम करने और कूटनीति के माध्यम से समाधान ढूंढ़ने का आह्वान करते हैं, ताकि क्षेत्र में एक बार फिर से शांति स्थापित हो सके।र

बंगाल में 20 साल बाद टाटा की वापसी संभव

- सीएम शुभेंदु खुद मामले को देख रहे

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के सिंगूर में करीब दो दशक पहले टाटा की नैनो परियोजना को लेकर शुरू हुआ विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद टाटा समूह की सिंगूर में वापसी को लेकर चर्चा तेज हो रही है।

राज्य के उद्योग मंत्री तापस रॉय ने कहा कि टाटा के साथ शुरुआती स्तर पर बातचीत चल रही है। अगर टाटा ग्रुप लौटने को तैयार होता है तो सरकार वहां किसी दूसरी कंपनी को नहीं लाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं।

हालांकि, जिन किसानों ने 2006 में नैनो के लिए अपनी जमीन दी थी, उनके लिए यह अधूरा सपना है। टाटा के सिंगूर छोड़ने के बाद हजारों परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से गुजरते रहे। करीब 3,600 ऐसे परिवारों को आज भी सरकार हर महीने दो हजार रुपये और 16 किलो चावल देती है, लेकिन कई परिवार अब भी उस सदमे से उबर नहीं पाए हैं।

टाटा को जमीन देने के लिए तैयार हैं लोग

75 साल की अंगूर दास बताती हैं कि उनके पति ने छह बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। टाटा के जाने के बाद वे गहरे सदमे में चले गए और वर्ष 2019 में उनका निधन हो गया। अंगूर दास कहती हैं कि यदि टाटा दोबारा लौटती है तो वे अपनी बची हुई जमीन भी देने को तैयार हैं। जब सिंगूर आंदोलन चल रहा था तब अनिद्य दास महज 12 साल के थे। आज 32 साल के अनिद्य को रोजगार के लिए कोलकाता जाना पड़ता है।

अर्जेंटीना छठी बार फुटबॉल वर्ल्डकप सेमीफाइनल में

- स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया
- एक्स्ट्रा टाइम में 2 गोल दागे
- अब इंग्लैंड से मुकाबला

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है।

कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्याॅय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ।

मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे।

अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है।

स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया। टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर और 2026 वर्ल्ड कप मैचों 17 घंटे 10 मिनट (1,030 मिनट) तक किसी भी मैच में पीछे नहीं हुई थी। अर्जेंटीना के मैक एलिस्टर के गोल ने टीम को 0-1 से पीछे कर दिया।

90 मिनट तक स्कोर बराबर

मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था।

डिलीवरी एजेंट जबरन घर में घुसा, प्राइवेट पार्ट दिखाए

- बेंगलुरु की महिला का आरोप- मना करने के बावजूद वॉशरूम गया
- अश्लील हरकत की; आरोपी गिरफ्तार

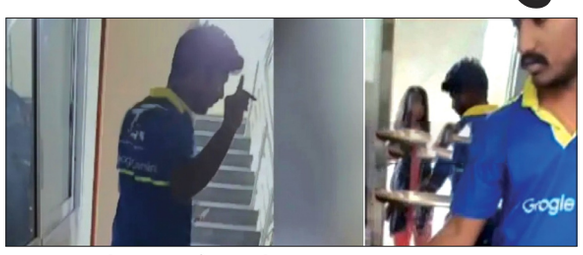

बेंगलुरु. बेंगलुरु में फ्लिपकार्ट के एक डिलीवरी एजेंट को महिला के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान विजय मल्लिकार्जुन कामत के रूप में हुई है। महिला ने बताया कि डिलीवरी एजेंट पार्सल देने उसके घर आया था।

महिला ने कहा- मैं घर में अकेली थी। डिलीवरी एजेंट ने पार्सल देने के बाद वॉशरूम इस्तेमाल करने की इजाजत मांगी, लेकिन मैंने उसे कई बार मना किया। मैंने उससे कहा कि वह किसी पड़ोसी से मदद ले सकता है। इसके बावजूद आरोपी जूते-चप्पल उतारकर जबरन फ्लैट के अंदर घुस गया।

महिला का आरोप है कि वॉशरूम से बाहर आने के बाद आरोपी ने अपने प्राइवेट पार्ट दिखाए और अश्लील हरकत की। महिला ने वॉशरूम से निकलते समय डिलीवरी एजेंट का वीडियो भी बनाया जिसमें उसकी पैंट की जिप खुली दिखाई दी।

महिला बोली- अपने ही घर में अपमानित महसूस हुआ

- महिला के अनुसार, वह अपने फ्लैट में अकेले रहती है। घटना के बाद वह बुरी तरह घबरा गई थी। उसने सोशल मीडिया पर रोते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया। उसने कहा- मैं सदमे में थी। अपने ही घर में मुझे अपमानित, असुरक्षित और मेरी गरिमा का उल्लंघन होने जैसा महसूस हुआ।
- महिला ने आगे कहा- फ्लिपकार्ट और मिंत्रा वाले किस तरह के डिलीवरी एजेंट रखते हैं। क्या उनकी वेरिफिकेशन नहीं होती। मैंने उसे मना किया था। एक महिला ने 'नहीं' कहा था, वहीं बात खत्म हो जानी चाहिए थी। किसी को भी उसके घर में जबरन घुसने का अधिकार नहीं है।
- महिला ने बताया कि डर के कारण उसने अपने मोबाइल का कैमरा ऑन कर लिया और घर का दरवाजा खुला रखा, ताकि जरूरत पड़ने पर बाहर निकलकर मदद मांग सके। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

'मैं न तो गांधी हूं और न ही कोई हीरो'

- लोगों के 2 मैसेज से असहज हुए सोनम वांगचुक

नई दिल्ली. शिक्षाविद् और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कहा है कि वह बस एक आम नागरिक हैं, न कि आधुनिक गांधी या कोई हीरो। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी और को अपना लीडर मानने के बजाय अपनी जिंदगी के खुद हीरो बनें। परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में सोनम वांगचुक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शनिवार को 14वें दिन में प्रवेश कर गया। वहीं, सीजेपी का विरोध प्रदर्शन 22वें दिन में प्रवेश कर गया।

- 7.5 किलो कम हो गया वजन

पार्टी की ओर से जारी हेल्थ अपडेट के मुताबिक, उपवास शुरू करने के बाद से वांगचुक वजन 7.5 किलोग्राम कम हो गया है और उनका ब्लड प्रेशर 106/74 दर्ज किया गया। शुक्रवार रात एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में वांगचुक ने कहा कि उन्हें पिछले दिन की तुलना में कम ऊर्जा महसूस

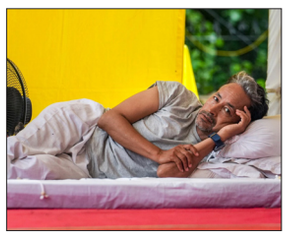

हो रही है, लेकिन वे आंदोलन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि आज मेरे उपवास का 13वां दिन है। मुझे कल जैसी ऊर्जा महसूस नहीं हो रही है। मैं थोड़ा थका हुआ महसूस कर रहा हूं। ऐसा होता है कि कुछ दिन अच्छे होते हैं और कुछ नहीं।

सोशल मीडिया पर आंदोलन का समर्थन करने के लिए लोगों का शुक्रिया अदा करते हुए वांगचुक ने कहा कि दो तरह की टिप्पणियों ने उन्हें निराश किया। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग मुझे 21वीं सदी का गांधी या आधुनिक गांधी कहते हैं। कुछ लोग मुझे हीरो भी कहते हैं। ऐसी बातें सुनकर मुझे असहज महसूस होता है। मैं न तो गांधी हूं और न ही कोई हीरो। मैं बस एक आम नागरिक हूं जिसने अपनी जिम्मेदारियां निभाने की कोशिश की है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे हीरो की तलाश करने के बजाय एक नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

खामेनेई के अंतिम संस्कार में नकाबपोश शख्स मोजतबा ही थे?

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में सामने आए रहस्यमयी नकाबपोश शख्स की पहचान आखिरकार हो गई है। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह व्यक्ति खामेनेई का सबसे बड़ा पोता मोहम्मद जवाद खामेनेई है, न कि उनका बेटा मोजतबा खामेनेई। दरअसल, इस साल फरवरी में अमेरिका और इजरायल के संयुक्त एयरस्ट्राइक में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद उनके जनाजे की नमाज के दौरान एक काला फेस मास्क और काली बेसबॉल कैप पहने व्यक्ति को आगे की पंक्ति में बैठे देखा गया था।

संक्षेप...

भरभराकर ढही चार मंजिला इमारत

कल्याण. कल्याण पश्चिम के घोलपनगर इलाके में रविवार दोपहर री-डेवलपमेंट के तहत इमारत गिराने का काम चल रहा था, तभी चार मंजिला 'विनायक दर्शन' इमारत अचानक ताश के पत्तों की तरह भरभराकर ढह गई। कुछ ही सेकंड में पूरी इमारत मलबे में तब्दील हो गई और धूल का विशाल गुबार पूरे इलाके में फैल गया। घटना का रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, यह घटना रविवार दोपहर करीब 2:05 बजे घोलपनगर स्थित 'विनायक दर्शन' इमारत में हुई।

'जबरन गोमूत्र पिलाया और 7 साल से टॉर्चर'

शिवसेना UBT के नेता विनायक राऊत की बहू गिरिजा राऊत के आरोप, ठाणे में FIR

गिरिजा राऊत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किए बड़े खुलासे

ठाणे. शिवसेना (UBT) के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद विनायक राऊत, उनके बेटे गीतेश राऊत और परिवार के अन्य सदस्यों पर उनकी बहू गिरिजा राऊत ने घरेलू हिंसा, मानसिक उत्पीड़न और अघोरी जादूटोना कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं। ठाणे के कापूरबावडी पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के अनुसार, 2017 में शादी के बाद से शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने, बच्चा पैदा करने के लिए भोंदू बाबाओं की मदद से अघोरी कृत्य कराने, शरीर से मुर्गा उतारने, बाल उखाड़ने और जबरन गोमूत्र पिलाने जैसे सनसनीखेज दावे किए गए हैं।

पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) और महाराष्ट्र नरबलि व अन्य अमानवीय, अघोरी व जादूटोना विरोधी कानून के तहत मामला दर्ज कर लिया है.अघोरी पूजा में शामिल 'फिरोज बाबा' नाम के भोंदू बाबा को गिरफ्तार भी किया जा चुका है।

शिकायतकर्ता गिरिजा राऊत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके 2017 में हुई शादी के बाद से 7 साल के अपने भयावह अनुभवों को उजागर किया। गिरिजा राऊत के मुताबिक, शादी के बाद पति गीतेश राऊत ने 'मेंटल कनेक्ट जरूरी है' कहकर शारीरिक संबंध बनाने से लगातार दूरी बनाए रखी.संतान प्राप्ति और इलाज के नाम पर अंगाव से जीवित मुर्गा उतारने, बाल उखाड़ने, आटे की पुतलियों का इस्तेमाल करने और जबरन गोमूत्र पिलाने का आरोप.गिरिजा को जबरदस्ती डिप्रेशन की दवाएं खिलाने का दावा किया गया.परिवार पर कई बातें छुपाकर विश्वासघात करने का आरोप लगाया गया है।

विनायक राऊत ने आरोपों को नकारा

विनायक राऊत ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में सभी आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया कि "गिरिजा पिछले 3 सालों से अलग रह रही हैं और उन्होंने तलाक के लिए ₹5 करोड़ तथा 3 BHK फ्लैट की मांग की थी।" इस पर गिरिजा का जवाब है कि ससुर के राजनीतिक प्रभाव के कारण वह इतने सालों तक चुप रहीं और यह मामला पैसों का नहीं, बल्कि इंसाफ का है.पूर्व सांसद विनायक राऊत ने आरोपों को झूठा और ब्लैकमेलिंग का प्रयास बताते हुए अदालत के जरिए कानूनी लड़ाई लड़ने की बात कही है।

बरसात में पीने का पानी उबालें और फ़िल्टर करें

ठाणे. अभी बरसात का मौसम चल रहा है, इसलिए पीने के पानी से पानी से फैलने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ने की संभावना है। सावधानी के तौर पर, ठाणे मनपा ने लोगों से पीने का पानी उबालकर और फ़िल्टर करने की अपील की है। मानसून में पानी से फैलने वाली बीमारियों के फैलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है, इसलिए लोगों को अपनी बिल्डिंग्स में ज़मीन के नीचे और ज़मीन के ऊपर बनी पानी की टंकियों को रेगुलर साफ़ करना चाहिए। पानी की टंकियों के आस-पास के एरिया को भी साफ़ रखने की अपील की गई है।

सेहत के लिहाज़ से सावधानी के तौर पर, घरेलू इस्तेमाल के साथ-साथ पीने के पानी को भी उबालकर और फ़िल्टर किया जाना चाहिए।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के खिलाफ कांग्रेस हुई आक्रमक

भगवान राम के नाम पर वोट मांगने वालों ने मंदिर में घोटाला किया-अमित म्हात्रे

कल्याण. अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के विरोध में विपक्ष आक्रामक हो गया है। कल्याण-डोंबिवली में कांग्रेस की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के निर्देश पर डोंबिवली में जिला अध्यक्ष अमित म्हात्रे के नेतृत्व में पंडित दीनदयाल रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने रघुपति राघव राजाराम इस गीत के साथ सत्याग्रह आंदोलन किया। इस दौरान अमित म्हात्रे ने कथित चढ़ावा चोरी की निंदा करते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भगवान श्रीराम के नाम पर वोट हासिल मांगा और अब राम मंदिर में ही घोटाला किया।

उन्होंने सवाल उठाया कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को बड़ा इवेंट बनाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब इस कथित दान चोरी के मामले पर चुप क्यों हैं, और इस मुद्दे पर बयान क्यों नहीं दे रहे। श्री हनुमान मंदिर में दर्शन के उपरांत कांग्रेसियों ने विष्णुनगर पुलिस स्टेशन तक पैदल मार्च किया। और पुलिस को ज्ञापन सौंपा। इस आंदोलन में पूर्व नगरसेविका रत्नप्रभा म्हात्रे, डोंबिवली ब्लॉक अध्यक्ष संकेत लोके, मामा पगारे, शिबू शेख,वर्षा शिखरे, वर्षा गुजर, शामराव यादव, एँथोनी फिलिप, जॉय मथु, एकनाथ म्हात्रे, बिजू राजन, मामा पगारे, शिबू शेख, दीप्ती जोशी, अंजनी नाईक, सुजाता परब, अभय टावरे आदि मौजूद रहे।

कल्याण में SIR की धीमी रफ्तार पर किरीट सोमैया ने जताई चिंता

सोमैया का आरोप : मुंब्रा में 40 हजार बांग्लादेशी नागरिकों के नाम जोड़ने की कोशिश..

कल्याण. मतदाता सूची पुनरीक्षण यानी एसआईआर के काम में मुंबई, ठाणे और कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र के पिछड़ने पर भाजपा नेता किरीट सोमैया ने चिंता जताई है। उन्होंने राज्य सरकार और चुनाव आयोग से प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की। रविवार को कल्याण में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सोमैया ने कहा कि विदर्भ और मराठवाड़ा में एसआईआर

का कार्य तेजी से चल रहा है,

लेकिन मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली और कोंकण क्षेत्र में गति बहुत धीमी है।

बड़ा आरोप....

सम्मेलन के दौरान सोमैया ने एक गंभीर आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि मुंब्रा क्षेत्र में लगभग 40 हजार बांग्लादेशी नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने की कोशिश की गई है। जिसकी जांच कराई जा रही है।

कार्यकर्ताओं को निर्देश-

कल्याण पूर्व की विधायक सुलभा गायकवाड, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदू परब, संजय मोरे और सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में सोमैया ने अपील कर कहा कि हर मतदाता अपनी जानकारी की जांच करे और पंजीकरण समय पर पूरा करे। उन्होंने कहा, ₹भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को एसआईआर के महत्व के बारे में जागरूक करें। एक भी पात्र मतदाता का नाम छूटना नहीं चाहिए।₹एसआईआर की विशेष मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से ही सोमैया कल्याण दौरे पर आए थे। बैठक में विधायक सुलभा गायकवाड और स्थानीय पदाधिकारियों के साथ उन्होंने अभियान की समीक्षा भी की, और तेजी लाने की बात कही।

तलोजा में 65 लाख का गुटखा जब्त

नई मुंबई. नवी मुंबई पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए तलोजा के धरणा गांव में 65 लाख रुपये का गुटखा जब्त किया. इस मामले में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है.

मदद के लिए कॉल... ठाणे पुलिस दौड़ी-दौड़ी!

- 40 दिनों में कंट्रोल रूम में मदद के लिए 22,507 कॉल रिकॉर्ड किए गए
- सबसे ज़्यादा मुंब्रा पुलिस स्टेशन से और सबसे कम कोपरी से आए कॉल

ठाणे. मुश्किल समय में, मदद के लिए कॉल जहां भी पहुंचती है, भरोसे के हाथ आगे बढ़ते हैं। दिन हो या रात, धूप हो या बारिश, यह तस्वीर सामने आई है कि ठाणे पुलिस ने नागरिकों की हर कॉल का समय पर जवाब दिया है। सिर्फ़ 40 दिनों (1 जून से 10 जुलाई) में कंट्रोल रूम में 22,507 इमरजेंसी कॉल रिकॉर्ड किए गए हैं और ठाणे पुलिस ने हर कॉल पर कम से कम समय में मदद पहुंचाने की कोशिश की है।

ठाणे पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे के गाइडेंस में ठाणे पुलिस कमिश्नरेट का कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे काम कर रहा है और

नागरिकों की मदद के लिए हर कॉल को तुरंत रिकॉर्ड करके संबंधित पुलिस स्टेशन को जानकारी दी जाती है। इस दौरान महिला अत्याचार, सीनियर सिटिजन की मदद, चोरी, सेंधमारी, लड़ाई-झगड़े, गुमशुदा लोगों या महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी शिकायतों, प्राकृतिक आपदाओं, संदिग्ध गतिविधियों और दूसरी इमरजेंसी घटनाओं के बारे में हजारों कॉल आए।

कमिश्नर के डेटा के मुताबिक, कंट्रोल रूम को 1 से 30 जून तक 17,598 कॉल आए, जबकि 1 से 10 जुलाई तक दस दिनों में 4,909 और कॉल रिकॉर्ड किए गए। यानी, औसतन हर दिन 560 से ज़्यादा नागरिकों ने इमरजेंसी मदद के लिए पुलिस से संपर्क किया। पुलिस स्टेशन के हिसाब से डेटा में, सबसे ज़्यादा कॉल मुंब्रा पुलिस स्टेशन की सीमा से 1,746 आए। उसके बाद, कलवा मानपाड़ा और नौपाड़ा की सीमा से भी बड़ी संख्या में इमरजेंसी कॉल आए। जबकि सबसे कम कॉल कोपरी पुलिस स्टेशन की सीमा से 177 रिकॉर्ड किए गए। न सिर्फ़ कॉल रिसीव करना, बल्कि कम से कम समय में मौके पर पहुंचना भी पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पुलिस ने जून महीने में औसतन 8 मिनट और 36 सेकंड में और जुलाई के पहले दस दिनों में 9 मिनट और 2 सेकंड में घटनाओं पर प्रतिक्रिया दी। पुलिस ने ट्रैफिक जाम, भारी बारिश, सड़क की स्थिति और अन्य बाधाओं को पार करते हुए इस प्रतिक्रिया समय को बनाए रखा। जून में, ठाणे नगर पुलिस स्टेशन का औसत प्रतिक्रिया समय 5 मिनट और 15 सेकंड दर्ज किया गया था। जबकि जुलाई के पहले दस दिनों में, कोनगांव पुलिस स्टेशन ने 6 मिनट और 10 सेकंड में प्रतिक्रिया देकर सबसे अधिक तत्परता दिखाई। इससे पता चलता है कि नियंत्रण कक्ष और स्थानीय पुलिस स्टेशनों के बीच समन्वय अधिक प्रभावी हो रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त निशिकांत विश्वकर ने कहा कि आपातकाल की स्थिति में, नागरिकों को घबराना नहीं चाहिए और तुरंत हेल्पलाइन 112 पर संपर्क करना चाहिए। घटना स्थल के बारे में सटीक जानकारी प्रदान करने से पुलिस को तत्काल सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

साफ-सफाई करने आई, ज्वेलरी साफ कर गई

नौकरानी पुलिस हिरासत में

ठाणे. स्नैबिट ऐप के ज़रिए घर की सफाई सेवा बुक करने वाली एक महिला से 35 लाख रुपये का सोने का मंगलसूत्र और ढाई तोला सोना चोरी हो गया। इस संबंध में स्थानीय पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। स्थानीय अपराध शाखा मामले की जांच कर रही थी, तभी पुलिस ने तकनीकी जांच के बाद आरोपी महिला को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद कर लिया। 58 वर्षीय शिकायतकर्ता ने राबोडी पुलिस का आभार व्यक्त किया।शिकायतकर्ता अनुजा

अजीत सावंत, उम्र- 58 वर्ष, निवास - ए 3/08, रुनवाल नगर, कोलबाड़ रोड, ठाणे। आजकल कई ऐप हैं जो सफाई के लिए महिला नौकरानियां उपलब्ध कराते हैं। स्नैबिट ऐप के ज़रिए सफाई के लिए आई एक लड़की ने कहा कि उसे सफाई के लिए नौकरानी चाहिए। शिकायतकर्ता महिला ने घर में अपना ढाई तोला मंगलसूत्र उतार दिया। राबोडी पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में बताया गया है कि मंगलसूत्र की कीमत साढ़े तीन लाख रुपये है। शिकायत दर्ज होते ही पुलिस ने शिकायतकर्ता महिला से नौकरानी के बारे में पूछताछ की और महिला ने नौकरानी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। पुलिस को जब पता चला कि यह ऑर्डर स्नैबिट ऐप पर बुकिंग के जरिए दिया गया था , उक्त ऐप से लड़की का मोबाइल नंबर प्राप्त किया गया और उसे हिरासत में लिया गया। जब उससे मंगलसूत्र के बारे में विस्तार से पूछताछ की गई, तो उसने मंगलसूत्र लेने और उतारने की बात स्वीकार की। हालांकि, लड़की की उम्र और भविष्य को ध्यान में रखते हुए, शिकायतकर्ता ने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया।

जैस्मीन ने परफॉर्मेंस रोक सगाई का ऐलान किया

मंगेतर को स्टेज पर बुलाकर बोली- दिस इज माय मैन, दौड़कर गले लगीं

पंजाबी सिंगर जैस्मीन सैंडलस के 'द ड्रीम गर्ल इंडिया टूर' के पहले कॉन्सर्ट के दौरान एक ऐसा पल सामने आया, जिसने हजारों फैंस को हैरान कर दिया। लाइव परफॉर्मेंस के बीच जैस्मिन ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक करते हुए स्टेज पर एक शख्स को बुलाया और बताया कि वही उनके मंगेतर हैं।

कॉन्सर्ट अपने पूरे रंग में था और फैंस जैस्मिन के गानों पर झूम रहे थे। इसी दौरान अचानक म्यूजिक धीमा हो गया। जैस्मिन ने एक शख्स का हाथ पकड़कर उन्हें स्टेज पर बुलाया और कहा- आई हैव अ लिटिल सीक्रेट... आई हैव अ लिटिल, मैसिव सीक्रेट। यानी मेरे पास एक छोटा सा राज है... मेरे पास एक बहुत बड़ा राज है।

इसके बाद उन्होंने फैंस से उत्साह के साथ कहा- कैन यू से शेखर? कैन यू से शेखर? कैन यू से चौधरी साहब?₹ इस दौरान पूरा स्टेडियम तालियों और हूटिंग से गूंज उठा।

इसके बाद जैस्मिन ने अपने रिश्ते का खुलासा करते हुए कहा- मैं बुला लिया स्टेज पे... दिस इज अ मैन हू पुट अ रिंग ऑन इट। दिस इज माय मैन, एवरीबडी। यानी ये वही शख्स हैं जिन्होंने मुझे अंगूठी पहनाई है। आप सभी जान लीजिए, यही मेरे जीवनसाथी हैं।

जैस्मिन की यह घोषणा सुनते ही स्टेडियम में मौजूद हजारों फैंस खुशी से झूम उठे। इसके बाद जैस्मिन दौड़कर शेखर के गले लग गईं। शेखर ने उन्हें प्यार से अपनी बाहों में उठाया। दोनों ने बैकग्राउंड में बज रहे रोमांटिक पंजाबी गाने पर साथ में डांस भी किया। स्टेज पर चल रही स्पार्कलर्स की आतिशबाजी ने इस खास पल को और भी यादगार बना दिया।

दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शनिवार रात आयोजित कॉन्सर्ट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस जैस्मिन सैंडलस को नई शुरुआत के लिए बधाई दे रहे हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज हॉस्पिटल में जन्म के समय दांतों वाले कम वज़न वाले बच्चे की सफल सर्जरी

ठाणे. एक नवजात बच्चे के मुंह में नेटल दांत पाए गए, जो सिर्फ़ एक महीने का प्रीमैच्योर था और उसका वज़न सिर्फ़ 1.196 kg था। इस रेयर सिचुएशन में बच्चे की स्वास्थ्य का खास ध्यान रखते हुए, छत्रपति शिवाजी महाराज हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम ने NICU में इन दांतों को सफलतापूर्वक निकाला और बच्चे को होने वाले खतरे से बचाया। सर्जरी शुक्रवार (10 जुलाई) को की गई।

आमतौर पर, नवजात बच्चों के दांत कुछ महीनों बाद आते हैं। हालांकि, कुछ बहुत ही रेयर मामलों में, बच्चा जन्म के समय एक या ज़्यादा दांतों के साथ पैदा होता है। मेडिकल भाषा में, इन्हें नेटल टीथ

कहा जाता है। ऐसे दांत हर 2,000 से 3,500 ज़िंदा जन्मों में से सिर्फ़ एक बच्चे में पाए जाते हैं। खास बात यह है कि लगभग 85 प्रतिशत मामलों में, निचले जबड़े में सामने के बीच के दांत प्रभावित होते हैं। इस मामले में, दांतों से ब्रेस्टफीडिंग में रुकावट आने की संभावना थी। साथ ही, चूंकि दांत बहुत ढीले होते हैं, इसलिए उनसे एस्पिरेशन का खतरा हो सकता है। इसके अलावा जीभ पर घाव या अल्सर (रिगा-फेडे अल्सर) होने की भी संभावना थी। इसलिए, मेडिकल एक्सपर्ट्स ने दांत निकालने का फैसला किया। यह नाजुक प्रक्रिया मानद बाल दंत चिकित्सक डॉ. श्रेया बापट ने प्रोफेसर और दंत चिकित्सा विभाग की प्रमुख डॉ. पल्लवी खले, डॉ. धैर्यशील एडके और डॉ. दिव्या मोकाशी के साथ मिलकर की। साथ ही, बाल रोग विभाग की प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. शैलजा पोतदार और उनकी पूरी टीम ने इस प्रक्रिया में बहुमूल्य समर्थन दिया। एक नवजात शिशु का इलाज करना, जिसका जन्म वजन बहुत कम है और जिसे NICU में सुरक्षित रूप से विशेष देखभाल की आवश्यकता है, एक बड़ी चुनौती है। हालांकि, दंत चिकित्सा और बाल रोग विभाग के बीच बेहतरीन समन्वय के कारण, यह प्रक्रिया बिना किसी जटिलता के सफलतापूर्वक पूरी हो गई। इस सफल इलाज ने बच्चे को सुरक्षित स्तनपान, उचित विकास और स्वस्थ बचपन का रास्ता तैयार किया है, और मेडिकल एक्सपर्ट्स की तत्परता ने एक छोटे बच्चे को संभावित गंभीर खतरे से बचाया है। अस्पताल की डीन डॉ. स्वप्नाली कदम ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में ऐसी सर्जरी पहले भी की जा चुकी है, लेकिन यह सर्जरी सबसे कम वजन वाले बच्चे की की गई।

ठाणे मनपा में नौकरी दिलाने का झांसा देकर

8 लोगों से 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी

ठाणे. ठाणे महानगर पालिका में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 49 वर्षीय एक गृहिणी समेत आठ लोगों से करीब 16 लाख रुपये ठगने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पिछले एक साल के दौरान इस कथित धोखाधड़ी को अंजाम दिया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने ठाणे नगर निगम (टीएमसी) में नौकरी दिलाने का झांसा देकर आठ लोगों से कथित तौर पर 15.95 लाख रुपये लिए, लेकिन न तो उन्होंने नौकरी दिलाई और न ही पैसे वापस किए।

उन्होंने बताया कि पीड़ितों ने जब नौकरी दिलाने या पैसे वापस करने को कहा तो आरोपियों ने उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की कथित तौर पर धमकी दी। अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर ठाणे नगर पुलिस ने 10 जुलाई को आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने बताया कि मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है और जांच जारी है।

निर्माणाधीन हिस्सा गिरने से 10 वर्षीय मासूम की मौत

ठाणे. मानपाड़ा क्षेत्र स्थित आजाद नगर की मद्रास चॉल में शुक्रवार को हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया. निर्माणाधीन पहली मंजिल का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया, जिससे नीचे मौजूद एक महिला और दो बच्चे मलबे में दब गए. हादसे में एक बच्चे की मौत हो गई है.

घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे तीनों लोगों को बाहर निकाला. सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया. हालांकि 10 वर्षीय जयकुमार जायसवाल को सिविल अस्पताल ले जाते समय डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. हादसे में उर्मिला जायसवाल (30) और 8 वर्षीय विनीत कुमार जायसवाल घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है. चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है. शुरुआती जांच में सामने आया है कि मद्रास चॉल करीब 25 से 30 वर्ष पुरानी है. जिस हिस्से का निर्माण कार्य चल रहा था, वही अचानक ढह गया. हादसे के बाद प्रशासन ने पूरे परिसर का निरीक्षण किया और यह पता लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है कि निर्माण कार्य के दौरान कहीं सुरक्षा मानकों की अनदेखी तो नहीं हुई.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099